जैसलमेर को मराठा साम्राज्य का हिस्सा मानने पर विवाद

चर्चा में क्यों?

NCERT (राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद) की पाठ्यपुस्तक में **जैसलमेर** को मराठा साम्राज्य का हिस्सा दर्शाए जाने के दावे के बाद एक **ऐतिहासिक विवाद** उत्पन्न हो गया है।

मुख्य बिंदु

जैसलमेर और मराठा संबंधों पर इतिहासकारों के मत

- **राजपूतों के तर्क:**
  - जैसलमेर के 44वें महारावल, **चैतन्य राज सिंह** के नेतृत्व में शाही परिवार ने इस चित्रण पर कड़ी आपत्ति जताते हुए इसे एक **गंभीर ऐतिहासिक त्रुटि** करार दिया है। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि जैसलमेर पर **मराठों के प्रभाव का कोई ऐतिहासिक प्रमाण नहीं** है। यह क्षेत्र मुगलों एवं अंग्रेज़ों सहित विभिन्न आक्रांताओं के दौर में भी स्वतंत्र बना रहा।
  - ऐतिहासिक विवरणों से स्पष्ट होता है कि क्षेत्र के राजपूत शासकों ने अपनी **सत्ता एवं संप्रभुता** की रक्षा की तथा जैसलमेर में न तो मराठा हस्तक्षेप हुआ और न ही कोई कराधान (taxation) लागू किया गया।
- **मराठों के तर्क:**
  - मराठा इतिहासकार वर्ष **1752 के अहदनामा** (जिसे मुगल सम्राट **अहमद शाह बहादुर** और मराठा सेनानायक **मल्हारराव होल्कर तथा माधवराव सिंदे** के बीच किया गया समझौता माना जाता है) का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि यद्यपि मराठों का जैसलमेर पर दिन-प्रतिदिन का प्रत्यक्ष नियंत्रण नहीं था, तथापि जैसलमेर सहित राजपूत राज्यों से **चौथ** और **सरदेशमुखी** कर वसूले जाते थे।
  - पुणे के इतिहासकार पांडुरंग बलकवाडे ने पेशवा प्रशासन के अभिलेखों का हवाला दिया है, जिनके अनुसार **अजमेर (मेवाड़) क्षेत्र** से नियमित रूप से **चौथ वसूली** का उल्लेख मिलता है।

- **जैसलमेर**

  - **स्थान एवं महत्त्व:** जैसलमेर, जिसे अक्सर "**स्वर्ण नगरी**" कहा जाता है, **पश्चिमी राजस्थान** में **पाकिस्तान सीमा** और थार रेगिस्तान के निकट स्थित है।
  - इसका प्रमुख स्थल **जैसलमेर किला** है, जिसे **सोनार किला (स्वर्ण किला)** भी कहा जाता है, जो एक **जीवित किला** होने के कारण अद्वितीय है।
  - **ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:** जैसलमेर की स्थापना वर्ष **1156** में **यदुवंशी वंश** के वंशज **रावल जैसल** ने की थी। **लोद्रवा** की गद्दी से वंचित होने के बाद, जैसल ने **ऋषि ईसुल** (स्थानीय साधु) की भविष्यवाणी के अनुसार एक नई राजधानी की तलाश की।
  - **सांस्कृतिक विरासत:** जैसलमेर की **सांस्कृतिक** और **स्थापत्य सुंदरता** इसकी **राजपूत विरासत** से प्रभावित है, जिसमें **भाटी राजपूतों** का भी प्रभाव है।
  - **भूवैज्ञानिक महत्त्व:** जैसलमेर में **वुड फॉसिल पार्क (आकल)** में **थार रेगिस्तान** के जीवाश्मों को प्रदर्शित किया गया है, जो **180 मिलियन वर्ष पुराने भूवैज्ञानिक इतिहास** की झलक दिखाते हैं।
  - **स्वतंत्रता के बाद:** जैसलमेर राज्य ने **7 अप्रैल 1949** को **भारत के साथ विलय पत्र** पर हस्ताक्षर किये और भारतीय संघ **में विलय** हो गया।

मराठा

- **उद्गम एवं भाषा:**
  - **मराठा**, जिनकी भाषा **मराठी** है, दक्कन के पठार के मूल निवासी हैं, जो मुख्यतः वर्तमान **महाराष्ट्र** में स्थित हैं।
- **शिवाजी महाराज और मराठा शक्ति का उदय:**
  - वर्ष 1630 में जन्मे शिवाजी, **भोंसले वंश** से संबंधित थे और उन्होंने स्वराज्य (सत्ता/संप्रभुता) स्थापित करने का लक्ष्य रखा।
  - मात्र **16 वर्ष की आयु** में उन्होंने **पुणे क्षेत्र** के किलों पर नियंत्रण प्राप्त करना प्रारंभ किया और अपना प्रभाव बढ़ाया।
  - उन्होंने **बीजापुर सल्तनत** के विरुद्ध **गुरिल्ला युद्ध रणनीति** अपनाई और **अफ़ज़ल खान** जैसे सेनापतियों को पराजित किया।

- शिवाजी की मृत्यु के बाद, संभाजी **(शिवाजी के पुत्र)** छत्रपति बने। उन्हें औरंगजेब ने बंदी बनाकर मृत्युदंड दे दिया।

- **मराठा संगठनात्मक परिवर्तन:**
  - शिवाजी की मृत्यु के पश्चात **मराठा सत्ता विकेंद्रीकृत** हो गई और **पेशवा** का प्रभाव बढ़ गया।
  - मराठों ने **पूरे भारत में विस्तार किया** और कुछ समय के लिये **लाहौर, अटक** तथा **पेशावर** के कुछ हिस्सों पर नियंत्रण किया।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/controversy-over-jaisalmer-as-part-of-maratha-empire